To Create a be

Paper Code

Paper,-I.

DATE

05/02/2022

Paper Code

नाम/Name - Deepali Jamodkar

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में लिखे –
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें -

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

परीक्षा का माध्यम :– हिन्दी ● अंग्रेजी ○

REMARK

POSITIVE

WORK ON IT

प्रश्न 1
Question 1

इस प्रश्न में अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।
This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न 1. Lost wax technique

पू./M =03
प्राप्तांक

A
उत्तर

धातु की ढलाई की एक विधि जिसमे पिघला हुआ धातु एक मोल्ड मे डाला जाता है। जिसे मोम मॉडल के माध्यम से बनाया जाता है। इसमे मिट्टी की मूर्ति का मॉडल बनाकर मोम को तार से मिट्टी के मॉडल पर लपेटते हैं.

पू./M =03
प्राप्तांक

B
उत्तर

गोमत - वैदिक काल मे धनि व्यक्ती के लिए प्रयुक्त शब्द गोमत

प्रश्न 1

पू./M =03
प्राप्तांक

C
उत्तर

एंडियालकिड्स - एक युनानी राजा जिसने शुंग राजा भागभद्र के दरबार मे हेलियोडोरस को राजदुत के रूप मे भेजा था। हेलियोडोरस ने भागवत धर्म को स्वीकार किया और विदिशा मे गरुड स्तंभ का निर्माण किया

पू./M =03
प्राप्तांक

E
उत्तर

स्याद्वाद - सप्तभंगी का सिद्धांत - जैन धर्म के मान्य सिद्धांतो मे से एक है। अर्थ - सापेक्षतावाद किसी वस्तु के गुण को समझने और अभिव्यक्त करने का सापेक्षिक सिद्धांत है।

पू./M =03
प्राप्तांक

F
उत्तर

अतालिक - वह व्यक्ति जो धर्म के मामलो मे दूसरो को उपदेश देता है।

प्रश्न 1
Question.1

इस प्रश्न में अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना हैं सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का हैं।
This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks.

G
उत्तर सुलह ए कुल- जब हिन्दु और मुसलमान के धार्मिक विद्वेश बढने लगे तो अकबर ने एक नये धर्म के बारे मे सोचा सभी धर्मो का एक ही उद्देश्य है तो उसने सर्व धर्म समन्वय का मार्ग पकडा इसे ही सुलह ए कुल नीति कहा गया

H
उत्तर कलमा- सिक्को पर कुरान की आयातो को उकेरने की प्रथा को कलमा के नाम से जाना जाता है। इसे औरंगजेब ने प्रतिबंधित कर दिया था

I
उत्तर मालोजी भोसले- शाहजी के पिता और छत्रपति शिवाजी के पितामह थे। जिन्होने निजामशाही वंश को पुनः प्रतिष्ठित कराने मे मलिक अंबर की सहायता की जिसके बदले उन्हे दौलताबाद व पूना के बीच का क्षेत्र जागीर के रूप मे भेट किया गया।

J
उत्तर कुव्वत-उल-इस्लाम मास्जिद- दिल्ली के प्रसिद्ध कुतुब-मीनार के पास स्थित इस मास्जिद का निर्माण कुतुब-उद-दीन ने 1206 मे शुरू करवाया था। बाद के शासको ने विस्तार किया इल्तुतमिश ने 1230 मे। फिरोजशाह ने 1350 मे

K
उत्तर वेल्लोर विद्रोह- 10 जुलाई 1806 को मद्रास राज्य के वेल्लोर मे हुआ था। ईस्ट इण्डिया कम्पनी के विरुद्ध भारतीय सिपाही विद्रोह था कारण- अंग्रेजो ने सिपाहियो को कोई भी धार्मिक प्रतिक पहनने से मना किया था।

प्रश्न 1
Question.1

इस प्रश्न में अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में देना हैं सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का हैं।
This question contains very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks.

पू./M =03
प्राप्तांक

L
उत्तर टालस्टाय फॉम – स्थापना गांधी जी ने 1910 मे की थी। यहा से गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह शुरू किया था।

पू./M =03
प्राप्तांक

M
उत्तर धरसाना सॉल्ट वर्क्स – पश्चिम भारत मे नमक बनाने का एक कारखाना जो सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान प्रसिद्ध हुआ।

पू./M =03
प्राप्तांक

N
उत्तर अनुशीलन समिति – औपनिवेशिक काल मे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बंगाल मे बनाई गई अंग्रेज विरोधी क्रांतिकारी गुप्त संस्था थी। स्थापना – 1902 मे सतीश चंन्द्र बसु ने की थी।

पू./M =03
प्राप्तांक

O
उत्तर काकोरी ट्रेन एक्शन – एक ट्रेन डकैती थी। जो 9 August 1925 को लखनऊ के पास काकोरी नामक गाव मे ब्रिटिश राज के खिलाफ HRA के क्रांतिकारीयो द्वारा की गई थी।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न
D
उत्तर महाभाष्य – दूसरी शताब्दी ई. पू. पतंजली द्वारा लिखित संस्कृत की एक पुस्तक है।

प्रश्न . 2 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों मे लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंको का है।
Question.2 Write the answers of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 5 (five) marks.

प्र हड़प्पा के मुहरो का क्या महत्व है।

A

उत्तर साबुन के पत्थर, टेराकोटा और तांबे से बनी उससे अधिक हड़प्पा की मुहरो का अपने समय का महत्व रहा होगा-

- यह मुहरे धार्मिक मान्यताओ पर प्रकाश डालते है जैसे पशुपति मुहर, स्वास्तिक व सूर्योपासना चिन्ह
- हड़प्पावासीयो की उच्च स्तर की कलात्मक विशेषज्ञता को प्रदर्शित करती है (गोलाकार, बेलनाकार, आयताकार)
- उस समय की प्रचलित लिपी का पता चलता है।
- मुहरो का प्रयोग लेन देन के लिए किया जाता होगा लोथल बंदरगाह से तथा कालिबंगा से मिली विभिन्न मुहरे गेंडा मुहर, बैल मुहर, पशुपति मुहर, आदि उस समय की विशेषज्ञता व विकास का द्योतक है।

B

उत्तर महामोक्षपरिषद - हर्ष हर पाँचवे वर्ष प्रयाग मे एक दान दान वितरण समारोह का आयोजन करता था इसे महामोक्ष परिषद कहा जाता था

- इसमे सम्राट विभिन्न देवी देवताओ की पूजा करता था
- इसमे सम्मिलित मनुष्यो को हर्ष मुक्त हस्त से दान दिया करता था।
- ह्वेनसांग इस सम्मेलन मे शामिल हुआ था उसने इसका विवरण प्रस्तुत किया
- पहला परिषद 643 ई.स्वी मे ~~xxxx~~ आयोजित किया गया था।

ऐसा कहा जाता है की हर्ष ने अपने समस्त गहने यहा तक की अपने समस्त कपडे भी गरीबो व जरूरतमंदो को दान मे दे दिया करता था।

प्रश्न . 2
Question.2

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों मे लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंको का है।
Write the answers of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 5 (five) marks.

पू./M =05
प्राप्तांक

Q. पतंजलि का योग दर्शन.

C

उत्तर पतंजलि योग प्रणाली के प्रस्तावक थे।

⇒ पतंजलि का योग दर्शन - समाधि, साधन, विभूति और कैवल्य इन चार भागो मे विभक्त है।

⇒ पतंजलि नुसार चित्त की वृत्तियो को चंचल होने से रोकना ही योग है। इसलिए पतंजलि चित्त पर पूर्ण नियंत्रण और स्वामित्व पर बल देते थे। वह कुछ शारिरीक व मानसिक व्यायामो के अभ्यास का प्रस्ताव रखते है जो अष्टांग योग का आधार बनाते है।

⇒ अष्टांग योग मे आठ चरण शामिल - हैरु, यम, नियम आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधी।

पू./M =05
प्राप्तांक

Q. सल्तनत काल के दौरान विकसित हुए खरखाने (कारखाने)

D

उत्तर उद्योगो की दृष्टि से 12 वी - 16 वी सदी का काल स्वर्णिम काल था।

⇒ सल्तनत काल मे 2 प्रकार के कारखाने थे

- सुल्तान द्वारा खरखाव किये जाने वाले
- निजि कारखाने

⇒ फिरोजशाह तुगलक के काल मे (36) प्रकार के कारखाने थे

⇒ उद्योगो मे प्रमुख थे - धातु उद्योग, चीनी उद्योग, लकडी उद्योग, रेशम उद्योग

यह कारखाने लोगो व जानवरो के लिए दैनिक भोजन के उत्पादन से लेकर शाही व उनके सहयोगीयो द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओ का उत्पादन किया करते थे।

E इक्ता प्रणाली

उत्तर इक्ता का अर्थ - वह भू-खण्ड जिसमे आने वाला भू राजस्व किसी भी अधिकारी या सैनिक का वेतन जमा करता था। यह एक क्षेत्रिय अनुदान था। जिसके पाने वाले को मुक्ती वली या इक्तेदार कहा जाता था।

इक्ता मे 2 कार्य निहित थे
↳ 1) भू राजस्व एकत्र करना
2) इस एकत्रीत भू राजस्व को वेतन के रूप मे अधिकारीयो को वितरित करना।

F अलबरूनी अपनी पुस्तक मे भारत वर्णन

उत्तर अलबरूनी ने 1017 मे मोहम्मद गजनी की सेनाओ के साथ भारतीय उपमहाद्विप की यात्रा की। उन्होने भारत मे प्रचलित हिन्दू आस्था की खोज की और अपनी किताब - तारिक-अल-हिंद मे भारतीय संस्कृती का विवरण प्रस्तुत किया। यह अरबी भाषा मे लिखी गई है
⇒ 11वी सदी के भारत की सामाजिक व राजनितिक दशा का वर्णन मिलता है।
⇒ इसमे धर्म, दर्शन, त्यौहारो, खगोल विज्ञान, रीतिरिवाज तथा प्रथाओ का उल्लेख मिलता है।
⇒ मापन विधियो, मूर्तिकला, कानून व विज्ञान का विवेचन भी मिलता है।
इसलिए अलबरूनी को भारतीय इतिहास का पहला जानकार कहा जाता है।

प्रश्न : 2
Question.2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है।
Write the answers of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 5 (five) marks.

प्रश्न 2 बारदौली सत्याग्रह

G

पू./M =05
प्राप्तांक

उत्तर ब्रिटिश राज शताब्दी के दौरान गुजरात राज्य मे 1928 मे बारदौली, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन मे सविनय अवज्ञा और विद्रोह का एक प्रकरण था।

→ आंदोलन का नेतृत्व सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया

कारण → 1925 मे बारदौली तालुका मे बाढ व अकाल पडा जिससे फसल उत्पादन प्रभावित हुआ और किसानो को वित्तीय परेशानी का सामना करना पडा।
सरकार ने कर की दरे 30% बढा दी थी

→ पटेल ने किसानो को अहिंसक रहने का निर्देश दिया और जमिदारो के खिलाफ सामाजिक बहिष्कार लागू किया

अन्ततः विवश होकर सरकार ने किसानो की मांगो को मान लिया। सत्याग्रह सफल होने पर वहा की महिलाओ ने 'सरदार' की उपाधी पटेल को प्रदान की।

पू./M =05
प्राप्तांक

H
उत्तर 1878 का वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट → भारतीय पत्र पत्रिकाओ पर कडा नियंत्रण रखने के लिए पारीत किया गया था।
ऐसी सामग्री छापने पर कडी कार्यवाही का प्रावधान जिससे ब्रिटिश शासन के विरूद्ध जनता मे असंतोष पनपने की संभावना हो। वस्तुतः यह कानून भाषायी समाचार पत्रो को दबाने के लिए लाया गया था।

अधिनियम पारीत होने के अगले दिन ही कोलकाता से बांग्ला मे प्रकाशित अमृत बाजार पत्रिका ने अपने अपने अंग्रेजी दैनिक पत्र का प्रकाशन शुरु किया जिसके संस्थापक शिशिर कुमार घोष थे।

प्रश्न . 2
Question.2

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंको का है।
Write the answers of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 5 (five) marks.

पू./M =05
प्राप्तांक

I पंचशील क्या है? इसके पाँच सिद्धांत ?

उत्तर मानव कल्याण तथा विश्वशांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशो मे पारस्परिक सहयोग के पाँच आधारभूत सिद्धांत जिन्हे पंचसूत्र या पंचशील कहते है।
1954 मे भारत व चीन के बीच पहली बार संहिताबद्ध किया गया था।

पाँचसिद्धांत
- एकदूसरे की क्षेत्रिय अखंडता, संप्रभुता हेतु आपसी सम्मान
- आपसी गैर आक्रामकता
- एक दूसरे के आंतरिक मामलो मे गैर हस्तक्षेप
- समानता व पारस्परिक लाभ
- शांतिपूर्ण सह अस्तित्व

पू./M =05
प्राप्तांक

J स्थायी बंदोबस्त के नकारात्मक परिणाम ?

उत्तर यह ईस्ट इण्डिया कम्पनी और बंगाल के जमीदारो के बीच कर वसूलने से सम्बंधित एक स्थायी व्यवस्था हेतु समझौता था जिसे बंगाल मे लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा 1793 मे लागू किया गया था।
नकारात्मक परिणाम → भू राजस्व स्थायी होने से कंपनी को अधिक उत्पादन की स्थिति मे भी निश्चित राजस्व प्राप्त होता था और अतिरिक्त आय बिचौलिये हड़प जाते थे
→ बहुत अधिक लगान व निर्धारित समय पर न चुकाने पर जमीदार भूमि से वंचित किये जाने लगे और किसान कर्ज मे डुबे।
→ सामंतीकरण बढा। कृषको का शोषण बढा
सामान्यतः यह व्यवस्था कम्पनी हितैषी और कृषक विरोधी थी

प्रश्न . 2
Question.2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है।
Write the answers of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 5 (five) marks.

A गुप्त काल की समालोचना

पू./M =05
प्राप्तांक

उत्तर जब हम गुप्त काल के दौरान सामाजिक, राजनितिक, आर्थिक स्थितियों की जाँच करते है तो हम निष्कर्ष निकाल सकते है कि कुछ पहलुओं में गुप्त युग स्वर्ण युग था लेकिन कुछ पहलुओं में गुप्त युग को स्वर्ण युग नहीं माना जा सकता है। जैसे कि-

→ मूर्तिकला के क्षेत्र में गुप्त काल में भरहुत, अमरावती सांची तथा मथुरा कला की मूर्तियों में कुषाण कालीन प्रतिकों तथा मध्यकालीन युग के मध्य अच्छे संश्लेषण तथा जीवंतता का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है।

→ स्थापत्य के क्षेत्र में देवगढ का दशावतार मंदिर, भुमरा का शिव मंदिर, बोधगया व सांची के उत्कृष्ट स्तूपों का निर्माण हुआ।

पू./M =05
प्राप्तांक

→ चित्रकला के क्षेत्र में अजंता, एलोरा, बाघ की गुफाओं में की गई चित्रकारी तथा फ्रेस्को चित्रकारी परिस्कृत कला के उदाहरण है।

→ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आर्यभट्ट ने बताया एक ओर पृथ्वी की त्रिज्या की गणना की और सूर्य केन्द्रित ब्रम्हाण्ड का सिद्धांत दिया वही दूसरी ओर वराहमीहीर ने चन्द्र कैलेण्डर की शुरुआत की।

→ साहित्य के क्षेत्र में कालिदास विशाखदत्त जैसे विद्वानों का योगदान।

Continue

गुप्त काल मे कला साहित्य से लेकर कई क्षेत्रो मे नये प्रतिमानो की स्थापना हुई जिससे इसे भारतीय इतिहास का स्वर्णयुग कहा जा सकता है।

लेकिन गुप्त काल के दौरान घटित कुछ पहलु इसे स्वर्णकाल मानने से इन्कार करते है जैसे की -

→ कई सामाजिक कुरितिया का आना, महिलाओ की दयनिय स्थिति - भानुगुप्त का एरण अभिलेख सतिप्रथा का साक्ष प्रस्तुत करता है।
→ बाल विवाह का प्रचलन व महिलाओ के कम होते अधिकार क्षेत्र
→ स्कन्दगुप्त के शासन काल के बाद अर्थव्यवस्था मे गिरावट
→ हुणो का आक्रमण, नयी शाक्तियो का उदय
→ प्रशासनिक कमजोरीयाँ
→ सामँतो के विद्रोह

इस प्रकार गुप्त काल को स्वर्णयुग नही माना जा सकता।

प्रश्न Continued (जारी)

Q.B मुगल साम्राज्य पतन मे औरंगजेब भूमिका

Ans). औरंगजेब का उत्तरदायित्व मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बना जो इस प्रकार है-

1) औरंगजेब की शासन नीति →

औरंगजेब कट्टर सुन्नी मुसलमान था उसने अपने शासनकाल मे शिया मुसलमानो, हिन्दुओ, सिक्खो व अन्य धर्मावलम्बीयो पर कई अत्याचार किये। हिन्दू मंदिर तुड़वाकर मस्जिदो का निर्माण, राजपूत राजा जस्वंतसिंह को मुसलमान बनाने का प्रयास अपनी धार्मिक कट्टरता से जाट, मराठा, राजपूत उसके विरुद्ध हो गये।

2) औरंगजेब की दक्षिण नीति →

उसने बीजापुर व गोलकुण्डा के शिया राज्यो की शक्ति को नष्ट कर दिया। यदि सहयोग की नीति अपनायी होती तो मराठा शक्ति को नष्ट कर सकता था

3) अयोग्य उत्तराधिकारी →

औरंगजेब के उत्तराधिकारीयो मे प्रशासनिक योग्यता व क्षमता का अभाव। उनका आचरण व भोग विलास प्रवृत्ती साम्राज्य को सफलता से संचालित न कर सकी

4) आर्थिक दुर्बलता →

साम्राज्यवादी नीति के कारण सरकारी खजाना खाली

प्रश्न

उत्तर: दक्षिण राज्यों की विजय मे अपार धन का व्यय

5) सैनिक अव्यवस्था व अनुशासन हीनता →
औरंगजेब के पश्चात सैन्य संगठन शिथिल हो गया। उत्तराधिकारी अयोग्य थे। सैनिको की व्यवस्था व अनुशासन पर ध्यान नही दिया।

6) अमीरो व सरदारो का नैतिक पतन →
औरंगजेब के समय नैतिक पतन से सहयोग न मिल सका।

7) रिक्त राजकोष →
शाहजहा द्वारा स्थापत्य मे तथा औरंगजेब द्वारा दक्षिण अभियान मे अत्याधिक धन का व्यय होने से रिक्त हुआ राजकोष पतन का कारण बना।

8) औरंगजेब की राजपूतो के प्रति नीति →
अकबर ने मित्र बनाया औरंगजेब ने धर्मान्धता के कारण उपेक्षा की राजपूत शत्रु बन गये

प्र/M =11

प्राप्तांक

प्रश्न:

Q.C 1942 कांग्रेस को जन आंदोलन शुरू करने मजबुर करने वाले कारक ?

उत्तर: निम्न कारण कांग्रेस को जन आंदोलन शुरु करने हेतु मजबुर करने वाले थे।

⇒ क्रिप्स मिशन की विफलता से भारतीयो का मोहभंग हुआ। भारतीय को महसूस हुआ की ब्रिटिश सरकार सत्ता त्यागने को तैयार नही है।

⇒ जापान के हाथो ब्रिटिश की हार से उनकी प्रतिष्ठा कम हुई

⇒ मुद्रास्फिती व आवश्यक वस्तुओ की कमी से जनता मे असंतोष व्याप्त था।

⇒ गांधी जी अधिक आश्वस्त थे की अब जन आंदोलन का समय आ गया है।

⇒ 14 July 1942 मे वर्धा सभा मे जन आंदोलन का विचार स्वीकार कर लिया गया

⇒ 1942 मे भारत छोडो प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया

Qu

पृ./M=11

प्राप्तांक

1) बौद्ध धर्म के सिद्धांत

उत्तर: बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे जिन्हे एशीया का ज्योति पुंज कहा जाता है। बौद्ध धर्म संसार का तिसरा बड़ा धर्म है। इसे मानविय धर्म कहा जा सकता है जिसमे ईश्वर को नही बल्कि मानव को महत्व दिया जाता है।

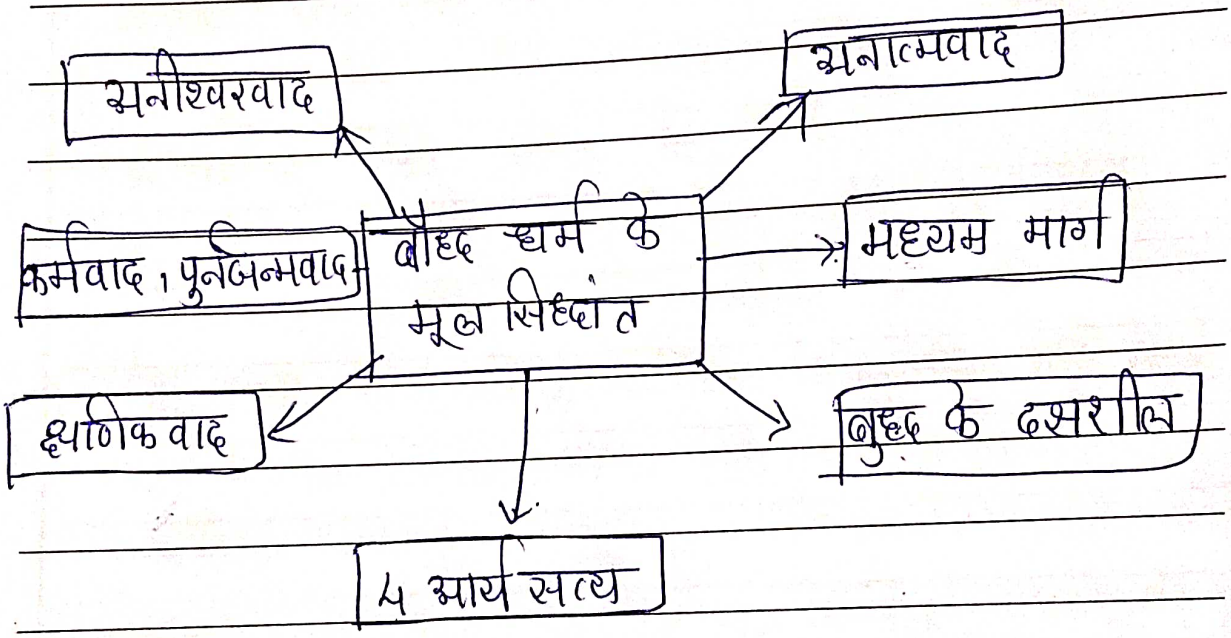

अनीश्वरवाद — ईश्वर के आस्तित्व व उसकी सत्ता मे बौद्ध धर्म का विश्वास नही था। उनका मानना था की संसार की उत्पत्ती "प्रतीत्य समुत्पाद" से हुई है कारण के आधार ही कोई कार्य किया जाता है यह कार्य कारण का सिद्धांत ही प्रतित्यसमुत्पाद है।

प्रश्न 3 — इस प्रश्न ... प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 11 (ग्यारह) अंकों का है।

Question.3 — There are sub-question in this question, each has to be answered in maximum 200 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicity before the answer. Each question carries 11 (eleven marks.)

प्रश्न Continued (जारी)

2) **अनात्मवाद** बुध्द आत्मा के सिध्दांत पर मौन थे।

3) **कर्म व पुनर्जन्म** → बुध्द कर्म व पुनर्जन्म मे विश्वास करते थे।

4) **मध्यममार्ग** → अत्याधिक भोगविलास व अत्याधिक तप के बिच का मार्ग बतलाया

5) **दसशील** → नैतिक उत्थान हेतु दसशील का पालन करने पर बल दिया

6) **10 शील**
- → सत्य बोलना
- → हिंसा न करना
- → दूसरो की सम्पत्ती की चाह न रखना
- → मादक द्रव्यो का सेवन न करना
- → व्यभिचार न करना
- → नृत्य गायन का त्याग
- → सुगंधित पदार्थो का त्याग
- → आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना
- → कोमल शैय्या का त्याग
- → इंद्रियो पर विजय प्राप्त करना

7) **आर्यसत्य**
- दुःख
- दुःख समुदाय
- दुःख निरोध
- दुःख निरोध प्रतिपदा

बौध्द धर्म के सिध्दांत समस्त विश्व के लिए महत्वपुर्ण है

पृ./M =

प्राप्तांक

E भूदान आंदोलन

उत्तर : स्वतंत्रता के पश्चात कृषि जोतो मे असमानता से उत्पन्न आर्थिक विषमता के कारण कृषको की दशा अत्यंत दयनीय हो गई थी। भूमिहीन कृषको की दशा सुधारने हेतु विनोबा भावे ने 1951 मे भूदान तथा ग्रामदान आंदोलन की शुरुआत वर्तमान तेलंगाना के पोचमपल्ली गाव से की थी। जिससे की भूमिहीन निर्धन किसान समाज की मुख्यधारा से जुड़कर गरीमामय जीवन यापन कर सके।

पृष्ठभूमि →

→ स्वतंत्रता के बाद 57% कृषि योग्य भूमि कुछ जमिदारो के पास थी विनोबा भावे का मानना था की सरकार भूमि का वितरण न करके एक ऐसा आंदोलन चलाया जाए की जमीदार स्वेच्छा से उनके पास की आवश्यकता से अधिक जमिन कृषको को दे दे।

→ विनोबा भावे गांधीवादी थे - उन्होने विभिन्न राज्यो मे पदयात्रा की जमीदारो व भूस्वामीयो से जमिन गरीब किसानो को बाटने का आग्रह किया

→ 5 करोड एकड जमिन दान मे हासिल करने का लक्ष्य

प्रश्न . 3 इस प्रश्न में उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 11 (ग्यारह) अंकों का है।

Question.3 There are sub-question in this question, each has to be answered in maximum 200 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicity before the answer. Each question carries 11 (eleven marks.)

प्रश्न Continued (जारी)

परिणाम

→ कुछ जमींदारो ने जो कई गावो के मालिक थे उन्होने पूरा गाव भूमिहीनो को देने की पेशकश की जिसे ग्रामदान कहा गया। इन गावो की भूमि पर लोगो का सामुहिक स्वामित्व स्वीकार कर लिया गया। शुरुआत ओडिशा से हुई थी।

→ दान मे 45 एकड भूमि प्राप्त हुई। परन्तु बहुतकम भूमि किसानो के काम आ सकी

→ जिन लोगो की आकांक्षाए पूरी न हो सकी वहाँ नक्सलवाद जैसे आंदोलनो की नींव पडी। जिससे संघर्ष व हिंसा मे वृध्दि हुई।

अन्ततः भूदान व ग्रामदान आंदोलन अपने उददेश्यो व प्रयासो मे तो महान आंदोलन था किंतु आपेक्षित सफलता न मिल सकी। किन्तु भूमि सुधार की इस रक्तहिन क्रांति ने कानूनी रूप से भूमि सुधारो को आधार अवश्य प्रदान किया।